'तेजा' लोकगीतका एक नया रूपान्तर

श्री नरोत्तमदास स्वामी
पीठपति, राजस्थानी ज्ञानपीठ, बीकानेर

तेजाजी राजस्थानके एक बहुत प्रसिद्ध लोक-देवता हैं। वे जातिके जाट थे और नागोर परगनेके कसबे परबतसरके पास स्थित खरनाल गाँवके निवासी थे। उनका विवाह किशनगढ़के पास स्थित पनेर गाँवमें हुआ था। उनकी पत्नीका नाम बोदल बताया जाता है (गीतोंमें कहीं पेमल और कहीं सुन्दर बताया गया है)। जब वे अपनी पत्नीको लाने पनेर गये हुए थे तब वहाँकी लांछा गूजरीकी गायोंको धाड़वी मीणे घेर कर ले गये। लांछाकी पुकारपर तेजाजी उन्हें छुड़ानेके लिए 'वार' चढ़े। गायोंको छुड़ानेमें उन्हें प्राणान्तक घाव लगे और वे स्वर्गवासी हुए। यह घटना भादवा सुदी १० के दिन हुई। तभी से तेजाजी देवताके रूपमें पूजे जाने लगे। राजस्थानमें स्थान-स्थानपर उनकी 'देवलियां' पायी जाती हैं।

तेजाजीका सम्बन्ध नागोंसे भी है, साँपके काटे हुए को तेजाजीकी 'हाँती' बाँधते हैं जिससे जहर नहीं चढ़ता।

तेजाजीका गीत, जिसे'तेजो' कहते हैं, बहुत प्रसिद्ध और कृषक जनतामें बहुत लोकप्रिय है। बहुत लोकप्रिय होनेके कारण उसके अनेक रूपान्तर बन गये हैं। हिन्दी और राजस्थानीके सुप्रसिद्ध अन्वेषक श्री अगरचन्द नाहटाने पिलाणीके गणपति स्वामीद्वारा संगृहीत और अनुवादित रूपान्तरको मरुभारतीके प्रथम भागके द्वितीय अंकमें प्रकाशित करवाया था। एक दूसरा रूपान्तर किशनगढ़के पं० वंशीधर शर्मा बुक्सेलरने 'वीर कुंवर तेजाजी' नामक पुस्तकमें दूसरे खंडके रूपमें प्रकाशित किया था। श्री नाहटाजीने 'मरुभारती'के पाँचवें भागके प्रथम अंकमें श्री भास्कर रामचन्द्र भालेरावका एक लेख प्रकाशित कराया था जिसमें हाड़ौली में प्रचलित तेजा विषयक एक गीतके अंश दिये गये हैं। नाहटाजीने राजस्थान भारतीके पाँचवें भागके दूसरे अंकमें तेजाजीके सम्बन्धमें एक लेख लिखा जिसमें प्रस्तुत लेखकके गीत-संग्रहके तीन अपूर्ण गीतों को भी प्रकाशित कराया। तेजाजीसे सम्बन्धित एक अन्य गीत अजमेरके श्रीताराचन्द ओझा द्वारा प्रकाशित 'मारवाड़ी स्त्री-गीत संग्रह'में छपा है जो घटनात्मक नहीं है।

तेजाजीसे सम्बन्धित लोक-गाथायें भी जनतामें प्रचलित हैं। हाड़ौतीमें प्रचलित लोकगाथाको डॉ० कन्हैयालाल शर्माने प्रकाशित करवाया है। एक दूसरी लोकगाथाका प्रकाशन डॉ० महेन्द्र भानावतने लोककलाके अंक १७में किया है।

प्रस्तुत लेखकके संग्रहागारमें लोकगीतोंका विशाल संग्रह है जो अनेक सूत्रोंसे प्राप्त हुआ है। इस संग्रहको सँभालते समय अभी पीले कागजकी एक कापीमें पेन्सिलसे लिखा हुआ तेजा गीतका रूपान्तर उपलब्ध हुआ। यह कापी लेखकको कोई पैंतीस-छत्तीस वर्ष पूर्व प्राप्त हुई थी।

उपलब्ध रूपान्तर गणपति स्वामीद्वारा संगृहीत रूपान्तरसे पर्याप्त भिन्नता रखता है। भाषाभेद भी है और कथाभेद भी। पं० वंशीधर शर्मा द्वारा प्रकाशित रूपान्तरके साथ इसका किसी अंशमें साम्य है। वंशीधर शर्मावाले रूपान्तरमें कुछ घटनायें लोकगाथावाली कथा की मिल गयी हैं जो इस रूपान्तरमें नहीं हैं। इस रूपान्तरका अंतका अंश खंडित है।

यह रूपान्तर आगे दिया जाता है।

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

परिशिष्ट २

तेजो गीत का रूपांतर

[१]

गाज्यो गाज्यो जेठ-असाढ कंवर तेजाजी लगतो ही वूठो सावण-भादवो
धरती-रो मांडण मेव कंवर तेजाजी आभै-री मांडण चमकै वीजळी
छतरी-रो मांडण छाजो कंवर तेजाजी कूवै रो मांडण मरवो केवड़ो
··· गोरी-रो मांडण परण्यो सायबो

सूतो सुख भर नींद कंवर तेजाजी ! थारा साथीड़ा वीजै कांकड़ बाजरो
झूठी झूठ मत बोल अे जरणी माता ! म्हारा साथीड़ा हींडै रंग-रै पालणै
झूठी बोलूं तो राम दुवाई कंवर तेजाजी ! थारा साथीड़ा वीजै कांकड़ बाजरो

कुण भातो भरै अे जरणी माता ! कुण वैला बैलां-री नीरणी ?
भावज भात भरै रे कंवर तेजाजी ! बैनड़ लावै बैलां-री नीरणी

कठै भात उतारूं कंवर तेजाजी ! कठै उतारूं बैलां-री नीरणी ?
खेजड़ हेठै भात उतारो भावज म्हारी ! धौरै तो उतारो बैलां-री नीरणी
भातो मोड़ो लायी ए भावज म्हारी ! दूजां-रो दोपारो तेजाजी-रो जीमणो
घरै म्हांरै काम घणो रे नानड़िया देवर ! भैंसां-री दुवारी दिन ऊगियो
इसड़ो कांई भूखो रे ल्होड़िया देवर ! इसड़ो भूखाळू है तो लावै नी घर-री गोरड़ो
कुण म्हारी सगाई करी भावज म्हारी ! कुण परणायो पीळा पोतड़ां
वावल थारी करी सगाई रे कंवर तेजाजी ! मामां तो परणायो पीळा पोतड़ां

आ लै थारी रास-पिराणी भावज म्हारी ! खोज्यो तो खळकायो आडा ऊमरां
भोजन तो जीम पधारो ल्होड़िया देवर ! भूखा तो गयां तो धोखा मारसी
भोजन तो थारो माफ राखो भावज म्हारी ! तेजोजी उदमादियो चाल्यो सासरै

खोलो ए भचड़-किंवाड़ जरणी माता ! बारै ऊभो कंवर लाडलो
दोपारां घरै क्यूं आयो रे कंवर तेजाजी !·····
कांई थारै हळ-री हाल टूटी कंवर तेजाजी ! कांई टूटी थारै नाडी बाधली
नहीं टूटी हळ-री हाळ जरणी माता ! नहीं तो टूटी नाडी बाधलो
·····जरणी माता ! तेजो जासी उदमादियो सासरै

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

कुण तनै चाळा चाळ्या कंवर तेजाजी ! कुण तो चुड़लाळी मोसो बोलियो !
साथीड़ां चाळा चाळ्या अे जरणी माता ! भावज चुड़लाळी मोसो बोलियो
साथीड़ां-री रांड मरो रे कंवर तेजाजी ! भावज रहजो अे जुग-में बांझड़ी
साथीड़ां-री वेल वधो अे जरणी माता ! भावज तो फळजो कड़वै नींब ज्यूं

हंसकर हुकम दो जरणी माता ! तेजोजी उदमादियो जासी सासरै
घड़ी दोय जेज करो कंवर तेजाजी ! मोरतियो कढावां सस्वरै वार-रो
घर जोसी-रै जावो अे भूवा तेजा-री !.....
वांचो वेद-पुराण बेटा जोसी-का ! कांई सुगनां-नै जासी तेजोजी सासरै
वांचां वेद-पुराण भूवा तेजा-री ! म्हारै तो सुगनां-में तेजाजी-री देवळी
वांसां खाल फोड़ाऊं बेटा जोसी-का ! ऊंचो टेराऊं हरियै नींब-रै
हिंदू धरम हटो कंवर तेजाजो ! थारो बाबल देतो गायां दूझती
गायां म्हारै गोर भरी बेटा जोसी-का ! सखरी तो ले जा धो ली दूझती
वांचां वेद-पुराण कंवर तेजाजी ! म्हारै सुगनां-में जासी सासरै

बागां करो वणाव कंवर तेजाजी ! बाबल-री छतड़्यां बांधो मोळियो
पग देर बारै आवो भावज म्हारी ! किसोयक बागो देवर लाडलो
कठै करो वणाव देवर म्हारा ! कुणां-रै छतड़्यां-में बांधो मोळियो
बागां-में वणाव करां अे भावज म्हारी । बाबल री छतड़्यां में बांधो मोळियो
सूका बागां करो रे वणाव कंवर तेजाजी ! मुड़दां-री छतड़्यां बांधो मोळियो

घोड़ै पर झाटक जीण कसे रे छोरा चाकर-का ! सखरो पिलाण रेवत पागड़ो
कठै पड़्यो पिलाण कंवर तेजाजी ! कठै पड़्यो लीलै-रो ताजणो ?
पड़्यो पड़्यो पिलाण छोरा चाकर-का ! खूंटै पड़्यो लीलै-रो ताजणो
घोड़ो जीण नहीं झेलै रे कंवर तेजाजी ! आंसूड़ा नाखै कायर मोर ज्यूं
अणतोलो घी दीनो तनै लीला रेवत ! कारज-री बेळा माथो धूणियो
लीला-नै धीरज देवो छोरा चाकर-का ! आंसूड़ा पूंछो हरियै रूमाल-सूं
घोड़ै जीण मांडो रे कंवर तेजाजी ! सखरो पिलाण रेवत पाणड़ो
हंसकर हुकम देवो जरणी माता ! तेजोजी उदमादियो चाल्यो सासरै

[२]

सड़वड़ चाल चालो रे लीला रेवत ! दिन तो उगायो माळीजी-रै बाग-में
खोलो भचड़ किवाड़ बेटा माळी-का ! बारै तो ऊभो कंवर लाडलो
ताळा सजड़ जड़्या लीलै घोड़ै आळा ! कूंची तो ले गयी गढ-री गूजरी
लै सायब-को नांव बेटा माळी-का ! सायब-कै नांव-लै ताळा खुल पड़ै
कठै वास वसै लीलै घोड़ै आळा ! किसै राजा-री चालो चाकरी ?
खड़नाल म्हांरो वास वसै बेटा माळी-का ! रायमल मूंता-रै सिगरथ पावणा

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

करियो गजब इन्याय कंवर तेजाजी ! ताळा तो तोड़्या बीजळसार-रा
घोड़ै-नै ठाण बंधावो कंवर तेजाजी !.....
घोड़ै-नै घास नीरावो कंवर तेजाजी ! करलै-नै नीरावो नागर-वेलड़ी
खड़नाळै घास घणो रे बेटा माळी-का ! वेलड़ी वन छाया नागाणै-रै गोरवै
पोतो ला रे छोरा चाकर-का ! अमल-री मनवारां तेजाजी-रै साथ-री
अमलां में तो पूर छकिया बेटा माळी-का ! अमलां-रा छकिया जासां सासरै

तूं छै भरम-रो वीर बेटा माळी-का ! मारगियो वता दै सहर पनेर-रो
डावी डूंगर जावै रे कंवर तेजाजी ! जीवणी जावै सहर पनेर-नै
गोठां जीम पधारो कंवर तेजाजी !.....

कुणां-रा बाग-बगीचा बेटा माळी-का ! कुणां-रा कहीजै कूवा-वावड़ी ?
राजाजी-रा बाग-बगीचा कंवर तेजाजी ! रायमल-मूंतै-रा कूवा-वावड़ी
काय-सूं बाग लगावो बेटा माळी-का ! काय-सूं खोदावो कूवा-वावड़ी ?
हळ-सूं बाग लगावां रे कंवर तेजाजी ! हाथां-सूं लगावां मरवो-केवड़ो
काय-सूं बाग सिंचावो बेटा माळी-का ! काय-सूं सिंचावो मरवो-केवड़ो ?
दूधां बाग सिंचायो कंवर तेजाजी ! दहियां सिंचायो मरवो-केवड़ो
काय-सूं बाग निनाणो बेटा माळी-का ! काय-सूं निनाणो मरवो-केवड़ो ?
खुरपां बाग निनाणां कंवर तेजाजी ! नख-सूं निनाणां मरवो-केवड़ो
बागां-में कांई रसाल रे बेटा माळी-का !.....
बागां-में दाड़म-दाख कंवर तेजाजी ! धोळा फूळां मरवो-केवड़ो

किण गळ फूल-माळा रे बेटा माळी-का ! कुणां-रै पेचां मरवो-केवड़ो ?
राजा-रै गळ फूल-माळा कंवर तेजाजी ! रायमल मूंता-रै सिर-रो सेवरो
तनै सोनै-री मुरकी रे बेटा माळी-का ! थारी माळण-नै पैराऊं बांको वाड़लो
तनै पंचरंग पाघ रे बेटा माळी-का ! थारी माळण-नै ओढाऊं बो-रंग चूनड़ी

[३]

खड़िया धमल पुराना कंवर तेजाजी ! दिनड़ो तो उगायो सहर पनेर-में
घोड़ै हींस करी रे कंवर तेजाजी पणिहारयां चमकी सहर पनेर-री
चळू दोय पाणी पावो.....
कठैं वास वसै रै लीलै घोड़ै आळा ! किसै राजा-री चालो चाकरी ?
खड़नाल वास वसै.....रायमल मूंता-रै सिगरथ पावणा
पानीड़ों कांई मांगो रे ल्होड़ा बैनोई ! झारी तो भर लाऊं काचै दूध-री

देवां लाख बधाई भोळी नणदल ! पातळियो नणदोई बागां ऊतरयो
झूठी झूठ बोलै ए भावज महारी ! म्हारो तो परण्योड़ो नागाणै देस-में
झूठ बोलूं तो रामदुहाई भोळी नणदल ! पातळियो नणदोई बागां ऊतरयो

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

बुगचो हाजर ला अे छोरी नायां-की ! गहणो तो पहरो रतन-जड़ाव-रो
नानी मींढां सीस गुंथावो भोळी नणदल ! चोटी घालो वासग-नाग ज्यूं
सींपां भर सुरमो सारो भोळी नणदल ! टीकी देवो लाल सिंदूर-री
पहरो हांस गळा-में भोळी नणदल ! ऊपर तो पहरो वांको वाड़लो
साड़ी-रै सळ घालो अे भोळी नणदल ! कालै रेसम-री पैरो कांचळी
लूम-लूमाळा कसणा बांधो ए भोळी नणदल ! गोरोड़ै पूंचां पर गजरो गैंद-रो

क्यां-री ईंढोणी करूं ए भावज म्हारी ! क्यां-रो तो करूं जल-रो बेवड़ो ?
मोत्यां-री करो ईंढोणी अे नणदल म्हारी ! रूपै-रो तो करो अे जल-रो बेवड़ो
चालो पाणीड़ै तलाव अे नणदल म्हारी ! निजरां-रो मेळो परण्यो सायबो
झूठी जोर बोलै अे भोळी भावज ! म्हारो तो परण्योड़ो नागाणै देस-में
झूठी बोलूं तो रामदुहाई भोळी नणदल ! म्हारो तो नणदोई थारो सायबो
ले लो साथ सहेली भोळी नणदल !.....

परण्यै-री करो पिछाणा भोळी नणदल ! कांई तो सैनाणी परण्यो सायबो ?
भंवर परा वल घणो भोळी भावज ! वांकड़ली मूछाळो परण्यो सायबो
परणी-री पिछाण करो ल्होड़िया बैनोई ! कांई तो सैनाणी तेजाजी-री गोरड़ी
सगळां-में सुघड़ घणी .....सहंस किरणां में तो सूरज ऊगियो

[४]

साला नै जाय जुंहारचा कंवर तेजाजी साला नै जुंहारचा चौपड़ खेलता
मानो राम-जुहारा साळां म्हारां ! मुजरो तो मानो तेजाजी-रै साथ-रो
मान्या राम-जुहारा ल्होड़ा बैनोई ! मुजरो तो मान्यो तेजाजी-रै साथ-रो
पोतो हाजर ला रे छोरा चाकर-का ! अमलां-री मनवारां तेजाजी-रै साथ-री

सासू-नै जाय जुंहारी कंवर तेजाजी सासू-नै जुंहारी महीड़ो घमोड़ती
मानो राय-जुहारा सासू म्हांरी ! मुजरो मानो तेजाजी-रै साथ-रो
नित-रा क्यां-रा राम-जुहारा लीलै घोड़ै आळा ओ घर खायो नुगरा पाबणां
आया ज्यूं रे पाछा घिरो लीला रेवत । .....

मुखड़ा-सैं बोल संभाळ जरणी माता ! घर आया साजन-नै दीनो ओळभो
ले लै रुपियो रोक अे लालां पाडोसण ! घड़ी दोय विलमावो परण्यै स्याम-नै
थारा-नै तूं ही मनाय पेमल गोरी ! ....

साळी थारी लूंबी लगाम कंवर तेजाजी ! गोरी तो लूनी पग-रै पागड़ै
साळी-नै सेल वायो रे कंवर तेजाजी ! गोरी-नै वायो वळतो ताजणो
करी गजब इन्याय अे जरणी माता ! घर आया साजन-नै दीनो ओलभो
खाजो काळो नाग कंवर तेजाजी ! म्हारी कूंकूं-री ढेरी-नै वायो ताजणो

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

मुखड़ा-सूं बोल संभाळ अे जरणी माता ! नाग खाजो ल्होड़ा वीर-नै
कळजुग जोर वरतायो अे छोरी पेमल ! वीरै-सूं वाल्हो परण्यो सायवो
कद तैं लाड लडायो अे छोरी पेमल ! कद साज्या पीवर-सासरा
हथलेवै-में लाड लडायो अे जरणी माता ! चंवरी-में साज्या पीवर-सासरा
मनड़ा-में हुबस घड़ी परण्या सायब ! खरनाळै चालूं तो पीळो ओढसूं
पौढण-नै ठोड़ बतावो साळी म्हांरी डाबरिया नैणां-में निंदरा घुळ रही
साळी थारी नेग मांगै रे कंवर तेजाजी ! गोरी तो मांगै खांडियो खोपरो
नागाणो सहर वसै अे साळी म्हारी ! बाळद भर लाऊं खारक-खोपरा
वांटूं लूंग-सुपारी साळी म्हारी ! गोरी-नै देऊं खारक-खोपरा

रेसम बेज वणो रे कंवर तेजाजी ! दावण तो धोळा पीळा पाट-री
फूलां थांरै सेज बिछाऊं कंवर तेजाजी ! ओसीचो दे लै रे चुड़लाळी बांय-रो
सूतां नींदं न आवै अे पेमल गोरी ! गूजरी कुरळायी बळतै काळजै

[५]

सूरो थारो नांव सुण्यो कंवर तेजाजी ! गायां तो घेरी मीणां चोरटां
घर भोमीयै जी-रै जावो लाछां गूजरी ! भोम तो खावै सहर पनेर-री
भोमियां वैर वसै कंवर तेजाजी ! भोमियां-रै भेदां गायां नीकळी
घर गांव-धणी-रै जावो ए लाछां गूजरी ! हासल तो खावै सहर पनेर-री
घर गांव-धणी-रै गयी अे लाछां गूजरी·····
गांव-धणी-नै जाय जुहारी लाछां गूजरी गायां तो घेरी मीणां चोरटां
गांव-धणी घर नहीं अे लाछां गूजरी ! कंवर तो भोळा घोड़ा दूबळा

घर भांभी-रै जा अे लाछां गूजरी ! हेलो तो पाड़ै चढती वार-रो
कूंडां म्हारै पाण ठरै लाछां गूजरी ! तुरियां पर चढिया तेजाजी-रा धोतिया
नित-रा पाण ठारो रे बेटा भांभो-रा ! नित-का रेजो तागा टूटता

घर ढोली-रै जा अे लाछां गूजरी ! ढोल बजावै तिरवी (?) वार-रो
ढोली जाय जुहारी लाछां गूजरी·····
ढोलां डोर नहीं अे लाछां गूजरी ! डांको ले गया बाळक खेलता
रेसम-री डोर करो बेटा ढोली-का ! डांको करो बीजळसार-रो

सूरो थारो नांव सुण्यो कंवर तेजाजी ! गोरां-में रांभै बाळक-वाछड़ा
घोड़ा पर जीण मांडो छोरा चाकर-का !·····

कठै पड़्यो पिलाण कंवर तेजाजी ! कठै तो पड़्यो लीला-रो ताजणो
पड़वै पड़्यो पिलाण छोरा चाकर-का ! खूंटै तो पड़्यो लीला-रो ताजणो

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

घोड़ो जोण नहीं झेलै कंवर तेजाजी ! आंसूड़ा नाखै कायर मोर ज्यूं
अणतोलो घी दीनो लीला रेवत ! कारज-री विरियां माथो धूणियो
लीलै-नै धीरज दे रे छोरा चाकर का ! सखरो तो पिलाण रेवत पागड़ो
घोड़ा पर जीण मांडो सूरा बळवंत ! सखरो पिलाणो रेवत पागड़ो

दे दे अे भंवर-बंदूक सुंदर गोरी ! ढाल तरवार दादाजी-रै हाथ-री
महंदी हाथ भरया ओ कंवर तेजाजी ! दस्तो लागैला भंवर-बंदूक-रै
लागै तो लागण दे अे सुंदर गोरी ! सैणां-री सैनाणी साथै हालसी

साथै तो ले र पधारो कंवर तेजाजी ! झगड़ै-री विरियां घुड़लो ढाबसूं
लुगायां-रो काम नहीं अे सुंदर गोरी ! सूरा तो जूझसी कायर कांपसी
लुळकर सात सिलाम ओ सूरज नारायण ! परतंग्या राखजो परण्यै स्याम-री

डूंगर चढ हांक करी कंवर तेजाजी चुग-चुग मारया मीणा चोरटा
ओ अे डागळियै चढ़ जोय छोरी दासी !.....
अेवड़-छेवड़ गायां वैवै लाछां गूजरी ! विच-में वैवै गजबी घूमतो
खोल फळसै-री खील अे लाछां गूजरी ! गिण-गिण मेल्हो बाळक वाछुड़ा
गामां म्हारी सगळी आयी ओ कंवर तेजाजी ! गायां-रो मांझी आयो नहीं काणो केरड़ो
कै तो सूरज-रो सांड करती कंवर तेजाजी ! कै करती रथ-रो बैलियो

आयो ज्यूं पाछो घिर ज्या लीला रेवत ! लोयां-री तिसायी लाछां गूजरी
मारगिया-सूं दूर हो जा ओ राजा वासग ! लीलै-रै खुरां में चींथ्यो जावसी
मुखड़ै-सूं बोल संभाल कंवर तेजाजी ! घोड़ै सूधी कर देऊं देवली
वचन देयर पधारो कंवर तेजाजी !.....

कुण साख भरै ओ राजा वासग ! कुण तो कहीजै रिंद-में सामदी
चांद-सूरज साख भरै ओ लीलै घोड़ै आळा ! रिंद-में सायदी खांडियो खेजड़ो
म्हां पर महर करो ओ राजा वासग !.....
बावन भैरूं साथ मेलो रे राजा वासग ! जूनै तो खेड़ै-री चौसट जोगण्यां

गायां म्हारी सगली आयी रे मीणां चोरटा ! गायां-रो मांझी नहीं आयो काणो केरड़ो
कै सूरज-रो सांड .....कै रथ-रो बैलियो
आयो ज्यूं रे पाछो घिर जा रे लीलै घोड़ै आळा ! घोड़ै सूधी कर दूं थारी देवळी
काणो केरड़ो हाजर लावो रे.....चुग-चुग तो मारूं मीणा चोरटा
मुख-सूं तो बोल संभाल कंवर तेजाजी ! बैनड़ रे-कहीजै पुतर अेकलो
कद-री बैन लागै रे मीणां चोरटां ! कद तो दीनी बैनड़-नै कांचळी
गंगाजी में बैन करी रे कंवर तेजाजी ! पुसकर-दी पैड़्यां-में दीनी कांचळी

●

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org